पंजाब केसरी 9-01-2026

कारीगरों को सरकारी योजनाओं, वित्तीय सहायता, कौशल विकास बारे दी जानकारी

एम.एस.एम.ई. की सरकारी योजनाओं के माध्यम से कारीगरों को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में सशक्त प्रयास किए जा रहे है : डा. रोहित दत्त

अम्बाला, 8 जनवरी (बलराम): सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय (एम.एस.एम.ई.) तथा गांधी मैमोरियल नैशनल कॉलेज के संयुक्त तत्वावधान में लघु एवं पारंपरिक कारीगरों को सशक्त बनाने के उद्देश्य से एक विशेष जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें कारीगरों को उनके व्यवसाय के विकास हेतु उपलब्ध विभिन्न सरकारी योजनाओं, वित्तीय सहायता, कौशल विकास एवं बाजार से जुड़ने के अवसरों की जानकारी दी गई।

कार्यक्रम के दौरान कारीगरों को सम्बोधित करते वक्ता। (चंदमोहन)

कार्यक्रम में मीनू धीमान, सहायक निदेशक, एम.एस.एम.ई., राजेश कुमार डोमेन विशेषज्ञ एवं राजवीर प्रजापति डोमेन विशेषज्ञ विशेष रूप से उपस्थित रहे। दीपक नरवाल, उप निदेशक, जिला एम.एस.एम.ई. केंद्र, अम्बाला ने कारीगरों को लघु उद्योग ऋण योजनाओं के लिए आवेदन प्रक्रिया को सरल रूप में समझाते हुए उन्हें वित्तीय रूप से आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित किया। वहीं, लीड बैंक कार्यालय की उप प्रबंधक श्रुति शर्मा ने विभिन्न ऋण योजनाओं, सब्सिडी एवं बैंकिंग सुविधाओं पर प्रकाश डालते हुए कारीगरों को आसान शर्तों पर उपलब्ध वित्तीय सहायता की विस्तृत जानकारी प्रदान की।

कार्यक्रम में प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना पर भी चर्चा की गई, जिसके अंतर्गत निःशुल्क कौशल प्रशिक्षण, प्रमाणन एवं अप-स्किलिंग के अवसरों से कारीगरों को अवगत कराया गया, ताकि वे अपनी पारंपरिक कला को आधुनिक तकनीकों के साथ जोड़कर अपनी आय एवं उत्पादकता बढ़ा सकें।

इस अवसर पर डा. भारती सुजान, विभागाध्यक्ष, प्रबंधन विभाग ने मूल्य निर्धारण एवं आकर्षक पैकेजिंग की व्यावसायिक अवधारणाओं को स्पष्ट किया, जबकि कमलप्रीत कौर ने डिजिटल मार्कीटिंग एवं ई--कॉमर्स के माध्यम से उत्पादों को व्यापक बाजार तक पहुंचाने के तरीकों की जानकारी दी। साथ ही डाक विभाग की ओर से सुमन गर्ग ने कारीगरों को उनके टूल किट्स की घर-द्वार तक डिलीवरी की सुविधा के बारे में जानकारी देकर इस पहल को और सशक्त बनाया।

कार्यक्रम के समापन पर कॉलेज के प्राचार्य डा. रोहित दत्त ने एम.एस.एम.ई. की पूरी टीम को इस सराहनीय सरकारी पहल के लिए बधाई दी। उन्होंने कहा कि एम.एस.एम.ई. की सरकारी योजनाओं के माध्यम से कारीगरों को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में सशक्त प्रयास किए जा रहे हैं। वहीं, उन्होंने कारीगरों को आत्म विकास पर ध्यान केंद्रित करने, नवाचार अपनाने और प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना के अंतर्गत उपलब्ध अवसरों का अधिकतम लाभ उठाकर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम का सफल एवं सुचारू संचालन कॉलेज में जनसंचार विभाग के सहायक प्रो. राजिंदर मोरवाल, डा. दिशा अरोड़ा, महिमा तथा डा. शुभम हसीजा द्वारा किया गया, जिनके प्रभावी समन्वय से यह आयोजन अत्यंत सफल रहा।